भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 757

दिनांक 07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एनक्यूएएस द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमाणन

757. श्री दुष्यंत सिंह:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल संबंधी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रयास किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) एनक्यूएएस द्वारा प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों की कुल संख्या कितनी है;
(ग) आपदा/सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी आपातकाल की स्थिति में आपातकालीन जीवन रक्षक नैदानिक देखभाल प्रदान करने में सहयोग, द्वित और मैत्री के लिए नई भारत स्वास्थ्य पहल (भीष्म) क्यूब्स की भूमिका का ब्यौरा क्या है और राज्यवार प्रदान की गई निधि का ब्यौरा क्या है;
(घ) आघात, रक्तस्राव, जलने आदि जैसी आपातकालीन स्थितियों में विविध प्रकृति के मामलों को संभालने में भीष्म क्यूब्स की क्षमता कितनी है;
(ङ) प्रथम चरण में विशेषकर राजस्थान राज्य में कुल कितने क्यूब्स लगाए गए हैं; और
(च) क्या सरकार की राजस्थान के झालावाड़-बारां क्षेत्र में इन पहलों को बढ़ावा देने के लिए नए कदम उठाने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) भारत सरकार ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) लागू किया है जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा स्थापित एक व्यापक ढांचा है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और उसे बढ़ाना है।

शुरुआत में, मानकों को जिला अस्पतालों के लिए लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवाएँ सुरक्षित, रोगी-केंद्रित और सुनिश्चित गुणवत्ता वाली हों। इसके बाद, इन मानकों को उप-जिला अस्पतालों (एसडीएच),

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), आयुष्मान आरोग्य मंदिर-शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (एएएम-यूपीएचसी), आयुष्मान आरोग्य मंदिर-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (एएएम-पीएचसी) और आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-केंद्रों (एएएम-एसएचसी) तक बढ़ा दिया गया।

मूल्यांकन में अनुपालन को आसान बनाने के लिए, डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया गया और दिनांक 28 जून, 2024 को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर-उप स्वास्थ्य केंद्रों (एएएम-एसएचसी) के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) प्रमाणन के लिए वर्चुअल मूल्यांकन' शुरू किया गया।

परीक्षण प्रक्रियाओं और परिणामों की सटीकता और परिशुद्धता बढ़ाने के लिए दिनांक 28 जून, 2024 को एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) लॉन्च किए गए।

(ख) दिनांक 31 दिसंबर 2024 तक देश में कुल 22,786 स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों को एनक्यूएएस प्रमाणन प्राप्त हो चुका है।

(ग) से (च) सहयोग हित एवं मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल (बीएचआईएसएचएम) क्यूब्स उन्नत मोबाइल मॉड्यूलर किट हैं, जिन्हें आपदा की स्थिति या सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के बाद पहले कुछ घंटों के दौरान रोगियों के प्रबंधन में तीव्र, प्रथम-पंक्ति चिकित्सा परिचर्या प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बीएचआईएसएचएम क्यूब को अधिकतम लचीलेपन और तेजी से तैनाती के लिए बनाया गया है, जिसमें वायु, समुद्र, जमीन या ड्रोन द्वारा वितरित करने की क्षमता है, जिससे दूरदराज या संघर्ष वाले क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया संभव हो सके। यह मल्टी-मॉडल तैनाती क्षमता सुनिश्चित करती है कि क्यूब्स न्यूनतम देरी के साथ सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक पहुंच सकें।

बीएचआईएसएचएम क्यूब्स को विशेष रूप से उन रोगियों की एक विस्तृत श्रृंखला को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो आपदा क्षेत्रों में आम हैं, जिसमें आघात, रक्तस्राव, जलन, फ्रैक्चर और अन्य जानलेवा चोटें शामिल हैं। अपनी चिकित्सा क्षमताओं के अलावा, प्रत्येक बीएचआईएसएचएम क्यूब 48 घंटों के लिए पाँच कर्मियों के चिकित्सा दल के साथ जीवित रहने के प्रावधानों से सुसज्जित है। इसमें भोजन, पानी, आश्रय, बिजली स्टेशन और अन्य जीवित रहने की सहायता शामिल है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि टीमें आगे की सहायता आने तक कठोर परिस्थितियों में स्वतंत्र रूप से काम कर सकें।

*****